मध्यप्रदेश की शालाओं में दक्षता उन्नयन कार्यक्रम

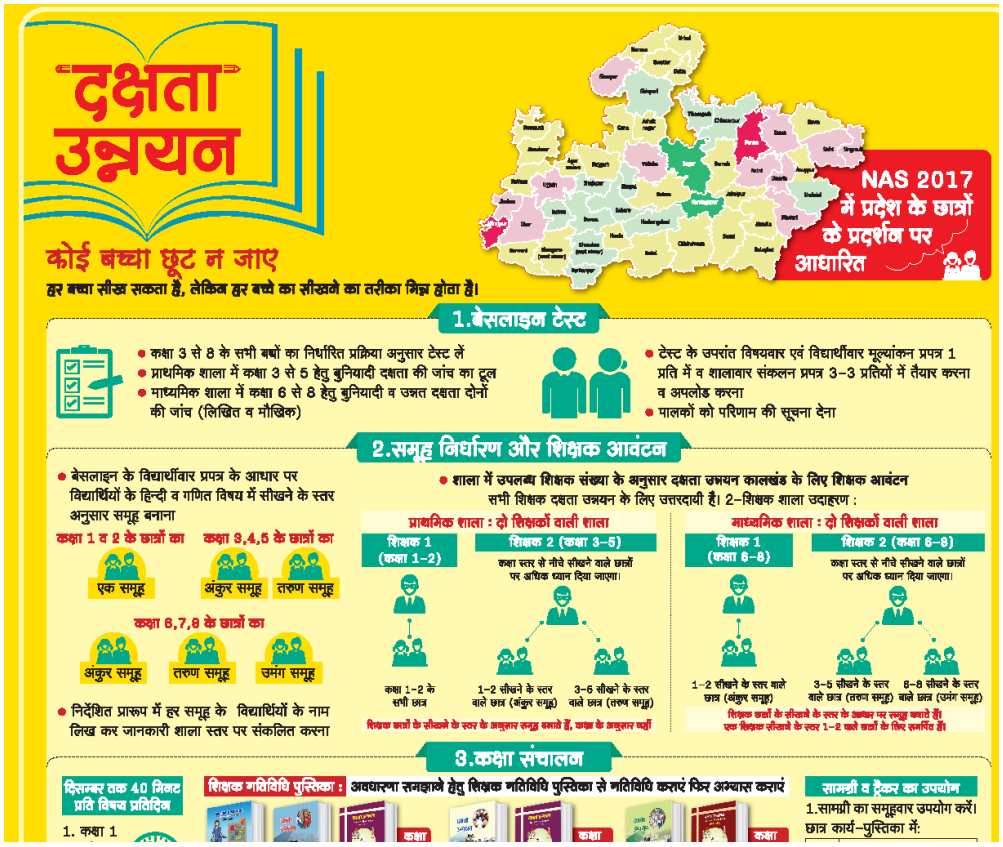

प्रदेश के प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। शिक्षा की गुणवत्ता से आशय है ''विद्यार्थी अपनी आयु एवं कक्षा अनुरूप दक्षताएँ प्राप्त करें एवं उनका सर्वांगींण विकास हो।''

शिक्षा का अधिकार अधिनियम की धारा-24 में उल्लेख किया गया है, कि शाला स्तर पर इस प्रकार योजनाबद्ध प्रयास किए जायें, कि प्रत्येक बच्चा अपनी कक्षा के अनुरूप, निर्धारित दक्षता व कौशल अर्जित कर सके।

प्रदेश में सत्र 2017-18 में राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण (छौ), प्रतिभापर्व एवं अन्य परीक्षणों के परिणामों से परीलक्षित हुआ है, कि मध्यप्रदेश में विद्यार्थियों की मूलभूत दक्षताएँ एवं अधिगम प्रतिफल की उपलब्धियाँ, राष्ट्रीय स्तर से कम है। राज्य स्तर इन परिणामों के आधार पर भाषा एवं गणित विषयों में विद्यार्थी मूलभूत दक्षताएँ हासिल नहीं कर पा रहे हैं। इसके समाधान हेतु प्रदेश में दक्षता उन्नयन कार्यक्रम प्रारंभ किया गया।

उद्देश्य –

- बच्चों में मूलभूत दक्षताओं का विकास।
- भाषा को धारा प्रवाह में पढ़ना, पढकर समझना व शुद्ध लेखन कर पाना।
- गणित में संख्याओं की समझ एवं गणित की संक्रियाओं में दक्षता प्राप्त करना।
- दक्षता के उच्चतर स्तर को प्राप्त करना।

विषय विशेषज्ञों द्वारा दक्षता उन्नयन संबंधी सामग्री विकसित करना।

कक्षा 1-2 हिन्दी गणित एवं अंग्रेजी विषय तथा कक्षा 3-8 तक हिन्दी एवं गणित विषय हेतु, कम उपलब्धि प्राप्त करने वाले विद्यार्थी हेतु, सीखने के प्रतिफल के गैप चिन्हांकित कर, एनसीईआरटी, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करने वाले विशेषज्ञों, प्रदेश के शिक्षकों एवं शिक्षक प्रशिक्षकों द्वारा शिक्षकों के लिए निम्नांकित माड्यूल तथा विद्यार्थियों के लिए निम्नांकित वर्कबुकस् विकसित की गई हैं। विषय विशेषज्ञों द्वारा दक्षता उन्नयन संबंधी सामग्री विकसित करना।

कक्षा 1-2 हिन्दी गणित एवं अंग्रेजी विषय तथा कक्षा 3-8 तक हिन्दी एवं गणित विषय हेतु, कम उपलब्धि प्राप्त करने वाले विद्यार्थी हेतु, सीखने के प्रतिफल के गैप चिन्हांकित कर, एनसीईआरटी, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करने वाले विशेषज्ञों, प्रदेश के शिक्षकों एवं शिक्षक प्रशिक्षकों द्वारा शिक्षकों के लिए निम्नांकित माड्यूल तथा विद्यार्थियों के लिए निम्नांकित वर्कबुकस् विकसित की गई हैं।

किसके के लिए	कक्षा	पाठ्यसामग्री
शिक्षकों हेतु	कक्षा 1-2 के शिक्षकों हेतु	हिन्दी, गणित एवं अंग्रेजी की दक्षता उन्नयन शिक्षक मार्गदर्शिका
	कक्षा 3-5 के शिक्षकों हेतु	हिन्दी एवं गणित की दक्षता उन्नयन शिक्षक मार्गदर्शिका
	कक्षा 6-8 के शिक्षकों हेतु	हिन्दी एवं गणित की दक्षता उन्नयन शिक्षक मार्गदर्शिका
विद्यार्थियों हेतु	कक्षा 1-2 के विद्यार्थियों हेतु	हिन्दी,गणित एवं अंग्रेजी की आओ करें और सीखें अभ्यास पुस्तिका (वर्कबुक)
	कक्षा 3-5 के विद्यार्थियों हेतु	हिन्दी एवं गणित की आओ करें और सीखें अभ्यास पुस्तिका (वर्कबुक)
	कक्षा 6-8 के विद्यार्थियों हेतु	

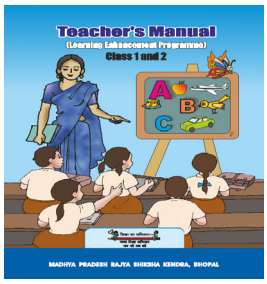

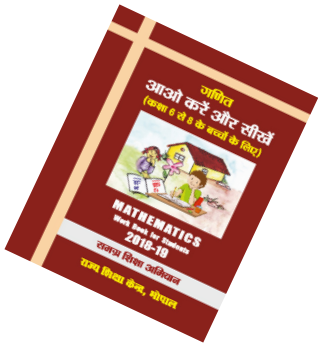

दक्षता उन्नयन कार्यक्रम के क्रियान्वयन की रूपरेखा

1. दक्षता उन्नयन कार्यक्रम की अवधि-
- माह जुलाई से सितम्बर तक नियमित संचालन।
- एण्डलाइन टेस्ट के आधार पर अपनी आवश्यकतानुसार इसे माह दिसम्बर तक संचालित किया गया।

2. दक्षता उन्नयन कक्षा संचालन हेतु विद्यार्थियों के समूह निर्माण-
- बेसलाईन टेस्ट उपरांत विद्यार्थियों के समूह निर्धारण की प्रक्रिया की गई।
- दक्षता उन्नयन कालखण्ड हेतु बच्चों के सीखने के स्तर के आधार पर निम्नानुसार समूह बनाए गए-

शाला स्तर	कक्षा जिनके बच्चे समूह में शामिल होंगे	समूह का नाम	सीखने का स्तर जिसके बच्चे इस समूह में होंगे
प्राथमिक शाला	कक्षा 1 से 2 के लिए (एक समूह बनाएंगे)	-	-
	कक्षा 3 से 5 के लिए (दो समूह बनाएंगे)	अंकुर समूह तरूण समूह	सीखने का स्तर 1-2 सीखने का स्तर 3-5
माध्यमिक शाला	कक्षा 6 से 8 के लिए (तीन समूह बनाएंगे)	अंकुर समूह तरूण समूह उमंग समूह	सीखने का स्तर 3-5 सीखने का स्तर 1-2 सीखने का स्तर 3-5 सीखने का स्तर 6-8

3. दक्षता उन्नयन गतिविधियों का आयोजन

- शाला स्तर पर उपरोक्तानुसार निर्मित समूहवार विद्यार्थियों की सूची संधारित की गई।
- दक्षता उन्नयन हेतु आंवटित कालखण्ड (प्रति विषय प्रतिदिन 40 मिनिट) में दक्षता उन्नयन हेतु निर्धारित गतिविधियाँ आयोजित की गई

4. दक्षता उन्नयन कार्यक्रम हेतु कालखण्ड निर्धारण

- रा.शि.के. द्वारा नवीन सुझावात्मक शाला समय सारणी उपलब्ध कराई गई हिन्दी, अंग्रेजी व गणित विषय के लिए प्रतिदिन विशेष कालखण्ड निर्धारित किये गए।
- दक्षता उन्नयन कालखण्ड के अतिरिक्त शेष समय में नियमित पाठ्यक्रम का अध्ययन कराया गया।

5. बेसलाइन-एण्डलाइन टेस्ट

- हिन्दी व गणित की दक्षताओं का सटीक आकलन करने हेतु प्रदेश की शासकीय, प्राथमिक एवं माध्यमिक शालाओं में कक्षा 3 से 8 तक दर्ज व अध्ययनरत समस्त बच्चों का बेस लाईन टेस्ट आयोजित किया गया, जिसे 25 से 30 जून के बीच कराया गया।

शाला स्तर	विषयवार दक्षता स्तर	बेसलाइन टेस्ट टूल की विशेषताएं
प्राथमिक शाला (कक्षा 3 से 5)	हिन्दी (बुनियादी दक्षता)- • पढ़ना (अक्षर, शब्द, वाक्य, कहानी) • लिखना (अक्षर, शब्द) गणित (बुनियादी दक्षता)- • गणित भाग-1 (अंक पहचान 1-9, संख्या पहचान 10-99, जोड़, घटाव, गुणा, भाग) • गणित भाग-2 (मापन, ज्यामितीय आकृतियां)	• राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वे में हिन्दी व गणित में बच्चों की कम उपलब्धि वाले लर्निंग आउटकम्स पर आधारित कौशल का चिन्हांकन। **गतवर्ष से आंशिक संशोधन का विवरण-** • हिन्दी भाषा में लिखना दक्षता को शामिल किया गया है। **हिन्दी भाग-2** लिखना (अक्षर,शब्द) • अंग्रेजी भाषा को विलोपित किया गया है।
माध्यमिक शाला (कक्षा 6 से 8) भाग-ब	हिन्दी (बुनियादी दक्षता)- • **हिन्दी भाग-1** पढ़ना ((अक्षर, शब्द, वाक्य, कहानी) • **हिन्दी भाग-2** लिखना (अक्षर, शब्द,)	• हिन्दी व गणित की दक्षताएं, जिन्हे शामिल किया गया है- • हिन्दी भाग-2 लिखना (अक्षर, शब्द) • हिन्दी भाग-3 पढ़कर-समझना (जानकारी खोजना, निष्कर्ष निकालना, विलोम) और लिखना (स्वतंत्र अभिव्यक्ति)।

गणित (बुनियादी दक्षता)-

- **गणित भाग-1** (अंक पहचान 1-9, संख्या पहचान 10-99, जोड़, घटाव, गुणा, भाग)
- **गणित भाग-2** (मापन, ज्यामितीय आकृतियां)

हिन्दी (उन्नयन दक्षता)

- **हिन्दी भाग-3** पढ़कर-समझना (जानकारी खोजना, निष्कर्ष निकालना, विलोम), लिखना (स्वतंत्र अभिव्यक्ति)

गणित (उन्नयन दक्षता)

- **गणित भाग-3** (भिन्न से दशमलव, तुल्य भिन्न, डाटा की समझ, आलेख पर समझ, परिणाम, पैटर्न, गणितीय संक्रियाओं पर शाब्दिक सवाल-जोड़ना, घटाव, गुणा, भाग)

गणित भाग-3 भिन्न से दशमलव तुल्य भिन्न, डाटा की समझ, आलेख पर समझ, परिमाप, पैटर्न, शाब्दिक सवाल (जोड़ना, घटाव, गुणा, भाग)।

कक्षा 3-5, हिन्दी : 25% विद्यार्थी बेसलाइन के बाद अंकुर से तरुण में परिवर्तित हुए

समूहवार विद्यार्थियों का प्रदर्शन

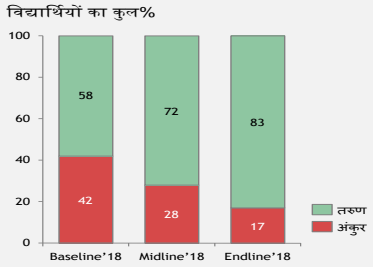

योग्यतानुसार विद्यार्थियों का प्रदर्शन

योग्यता	Baseline (Jun 18)	Midline (Oct 18)	Endline (Dec 18)	
	इस योग्यता वाले कुल विद्यार्थियों का प्रतिशत			इस योग्यता को ना जानने वाले कुल विद्यार्थियों का प्रतिशत
प्रारंभिक	100%	100%	100%	-
अक्षर	88%	95%	97%	3%
शब्द	57%	72%	83%	17%
वाक्य	31%	47%	60%	40%
कहानी	15%	27%	38%	62%

3% विद्यार्थी अक्षर नहीं पहचानते, 17% विद्यार्थी शब्द नहीं पहचानते

कक्षा 6-8, गणित : 24% विद्यार्थी बेसलाइन के बाद से अकुर/तरुण से उमग मे परिवर्तित हुए

समूहवार विद्यार्थियों का प्रदर्शन

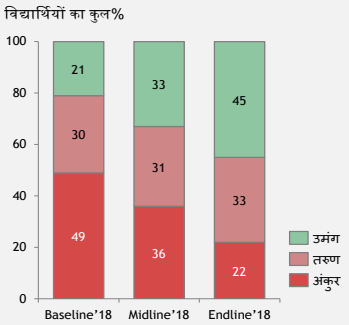

योग्यतानुसार विद्यार्थियों का प्रदर्शन

योग्यता	Baseline (Jun 18)	Midline (Oct 18)	Endline (Dec 18)	
	इस योग्यता वाले कुल विद्यार्थियों का प्रतिशत			इस योग्यता को ना जानने वाले कुल विद्यार्थियों का प्रतिशत
प्रारंभिक	100%	100%	100%	-
अंक पहचान	94%	97%	99%	1%
संख्या पहचान	81%	89%	95%	5%
जोड़	67%	79%	89%	11%
घटाना	50%	64%	78%	22%
गुणा	37%	51%	65%	35%
भाग	21%	33%	45%	55%

1% विद्यार्थी अंक नहीं पहचानते, 5% विद्यार्थी संख्या नहीं पहचानते

कक्षा 6-8, हिन्दी : 18% विद्यार्थी बेसलाइन के बाद से अंकुर/तरुण से उमंग में परिवर्तित हुए

समूहवार विद्यार्थियों का प्रदर्शन

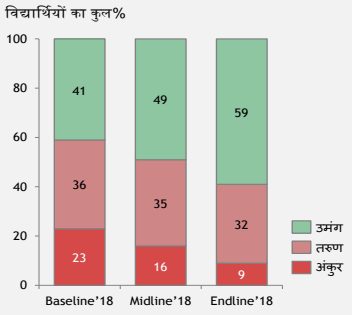

योग्यतानुसार विद्यार्थियों का प्रदर्शन

योग्यता	Baseline (Jun 18)	Midline (Oct 18)	Endline (Dec 18)	
	इस योग्यता वाले कुल विद्यार्थियों का प्रतिशत			इस योग्यता को ना जानने वाले कुल विद्यार्थियों का प्रतिशत
प्रारंभिक	100%	100%	100%	-
अक्षर	94%	97%	98%	2%
शब्द	77%	84%	91%	9%
वाक्य	60%	68%	78%	22%
कहानी	41%	49%	59%	41%

2% विद्यार्थी अक्षर नहीं पहचानते, 9% विद्यार्थी शब्द नहीं पहचानते

6

PS Schools - जिलेवार तुलना

बॉक्स #3 और #4 में वर्णित जिलों पर ध्यान देने की सख्त आवश्यकता

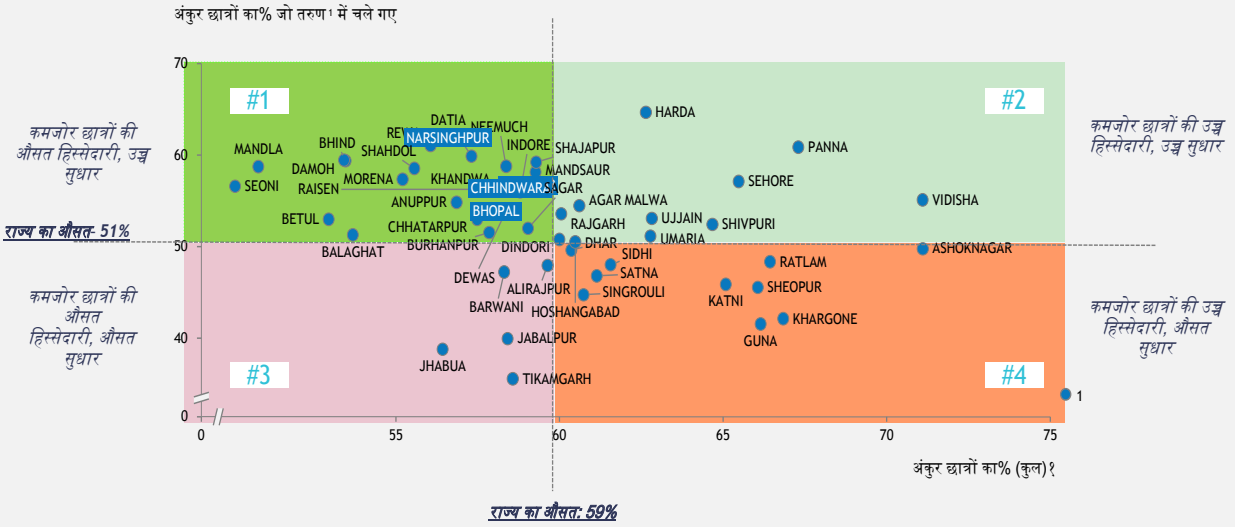

नोट: गणित, हिंदी के परिणाम का सरल औसत

4

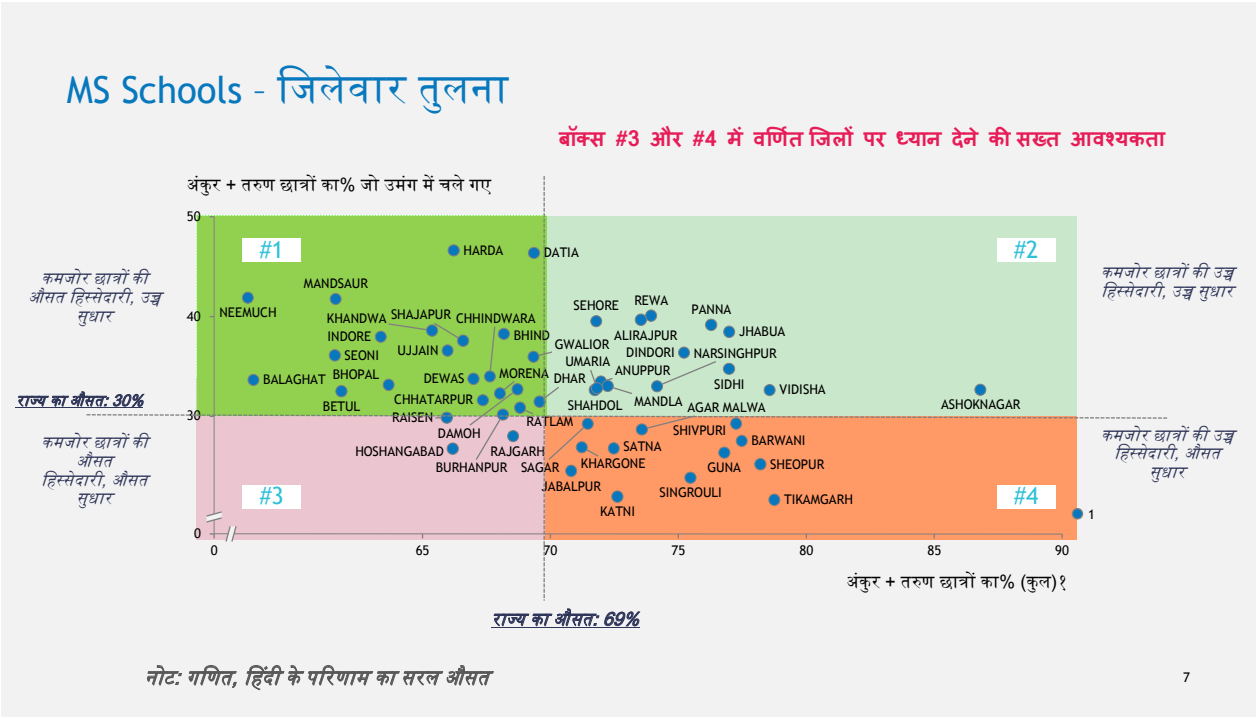

6. ''वॉल ऑफ फेम'' पर शालाओं का प्रदर्शन

दक्षता उन्नयन कार्यक्रम के तहत उत्कृष्ट प्रदर्शन कर उपलब्धियां प्राप्त करने वाली शालाओं के प्रोत्साहन, तथा उनके कृत कार्यो से अन्य शालाओं को प्रेरणा के लिये, पीयर लर्निंग के रुप में एक वेब मंच है, ''वॉल ऑफ फेम। इसे स्थापित किया गया है, शिक्षा विभाग के विमर्श पोर्टल पर। जिसमें 09 प्रतिशत या उससे अधिक छात्रों के द्वारा कक्षा अनुरुप दक्षताएं प्राप्त करने वाली शालाओं के विवरण तथा शिक्षकों के नाम भी पोर्टल पर प्रदर्शित किये जाते हैं। वॉल ऑफ फेम के तहत-

- कक्षा 3 से 5 एवं कक्षा 6 से 8 में दक्षता उन्नयन की प्रगति ट्रेक की गई।
- मूलभूत दक्षताओं में जिन शालाओं में स्वयं के आकलन के अनुसार शाला में अध्ययनरत 90 या उससे अधिक बच्चे अपनी कक्षा के अनुरूप मूलभूत दक्षताओं में दक्ष हो गये है, द्वारा दावा किया गया।
- शाला द्वारा प्रस्तुत करने की प्रक्रिया के अन्तर्गत शाला के प्रधानाध्यापक द्वारा बी.आर.सी.,डी.पी.सी./प्राचार्य डाईट को एस. एम. एस./व्हाट्सअप मेसेज/मेल के माध्यम से अथवा पत्र लिखकर सूचित किया गया।
- सत्र 2018-19 में प्रदेश के 429 माध्यमिक शालाओं एवं 515 प्राथमिक शालाओं द्वारा दक्षता का उच्चतम स्तर प्राप्त कर लिया गया। जिनका प्रदर्शन ''वॉल ऑफ फेम'' पर किया जा चुका है, यह क्रिया निरन्तर जारी है।